











## संपादकीय पैरिस पैरालिम्पिक भारतीय सहभागिता

पेरिस 2024 पैरालिम्पिक खेलों में भारत ने 84 पैरा-एथलीट का अब तक का सबसे बड़ा समूह भेजा है। बुधवार से शुरू पेरिस 2024 पैरालिम्पिक खेलों में 164 देशों के द्विव्यांग एथलीट भाग ले रहे हैं। भारत ने इसमें अब तक की सबसे अधिक 84 एथलीटों की टीम भेजी है। इस वर्ष के आयोजन एथलीटों की अदम्य इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करेंगे जो दुनिया को अपनी असाधारण ढूढ़ता तथा विपरीत स्थितियों पर विजय की भावना से लगातार प्रेरित करते हैं। 2024 पेरिस पैरालिम्पिक में भारत की सहभागिता देश के लिए उल्लेखनीय क्षण है। विभिन्न क्षेत्रों के 84 एथलीटों के साथ भारत ने अपना सबसे बड़ा और सर्वाधिक विविधतापूर्ण समूह पेश किया है। इससे भारत में पैरालिम्पिक खेलों की बढ़ती पहचान व उनको मिलने वाले समर्थन का पता चलता है। इसके साथ ही पूर्व-धारणाओं को चुनौती देने तथा श्रेष्ठता को पुनः परिभाषित करने वाले एथलीटों की संख्या भी बढ़ रही है। पैरालिम्पिक खेलों का समृद्ध इतिहास है जिसकी शुरुआत 1948 में हुई थी। उस समय सरल लुड्विंग गटपैन ने द्वितीय विश्व युद्ध में भाग ले चुके ऐसे लोगों की खेल प्रतियोगिता इंग्लैंड के स्टोक मिडविले में आयोजित की थी जो रीढ़ की हड्डी में चोट के शिकार थे। पिछले दशकों में पैरालिम्पिक्स का असाधारण विस्तार हुआ है और यह द्विव्यांग एथलीटों के लिए वैश्विक मंच बन गया है। वे यहां अपनी असाधारण प्रतिभा तथा 'संभावनाओं' की सीमायें तोड़ने की क्षमता प्रदर्शित करते हैं।



उनिया भर में लाखों लोगों के लिए उम्मीद और दृढ़ता का प्रतीक है। अपनी सीमाओं को पार करने की उनकी क्षमता ने दर्शकों को मंत्रुग्राम कर दिया है और वे मानवीय भावना की सच्ची खिलाड़ी बन कर उभरी हैं। 2024 पैरालिम्पिक्स एथलीटों और दिव्यांगों की असाधारण क्षमताओं के पारंपरिक प्रदर्शन का उत्सव मनाता है। इन खेलों का संबंध केवल मैडल जीतने से न होकर बाधायें तोड़ने, सामाजिक अवधारणाओं को चुनौती देने तथा भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने से भी है। ज्यादा खेलों को शामिल करने तथा भारत जैसे देशों की बढ़ती सहभागिता से पैरा-खेलों को दुनिया भर में व्यापक स्वीकार्यता और प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। पेरिस में प्रतियोगिता कर रहे एथलीटों के साथ शीतल देवी जैसे लोगों की साहसी गाथायें जुड़ी हैं। इससे हमें उत्कृष्टता की खोज में भौतिक सीमाओं को पार करने तथा लोगों को एकसाथ लाने में खेलों की शक्ति का भी पता चलता है। पैरालिम्पिक खेल एक वैश्विक मंच प्रदान करते हैं जहां एथलीट अपनी दृढ़ता प्रदर्शित करते हुए दिखाते हैं कि कुछ भी संभव है। भारत की अब तक की सबसे बड़ी टीम तथा शीतल देवी की प्रेरणादायक गाथा पैरालिम्पिक आंदोलन की भावना प्रकट करती है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी एथलीट लाखों लोगों को प्रेरित करते हुए यह सिद्ध करेंगे कि प्रतिवर्द्धता और पूरी एकाग्रता से सामना करने पर कोई भी बाधा अलंब्य नहीं होती है।

देश की पहली महिला स्वास्थ्य पहल होने के कारण चेतना को महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और लिंग के मामले में एक ट्रेंडसेटर बनाने में मदद मिली ।



### राष्ट्रपति की पीड़ा

राष्ट्रपति के रूप में देश की प्रथम महिला द्वोपदी मुर्मू भी कोलकाता की दर्दभरी घटना और उस पर देश भर में पैदा आकोश से चिन्तित हैं। वे कोलकाता के साथ ही देश भर में छोटी-छोटी बच्चियों तक से होने वाले अत्याचारों से आहत भी हैं। राष्ट्रपति ने व्यापक रूप से पुरुषों में महिलाओं को दोषयम दर्जे का समझने की सोच पर सवाल उठाते हुए स्थिति में सुधार की आवश्यकता बताई है। राष्ट्रपति ने भले ही कोलकाता का नाम लिया हो, पर उनका संकेत पूरे देश में महिलाओं के खिलाफ हो रहे यीन अपराधों की ओर है। विडंबना है कि संकुचित राजनीतिक नजरिये से चीजों को देखने की आदत के बिना देश की स्थिति बदलने की ज़रूरत है।

योगी आदित्यनाथ की बात आज हर भारतीय, खासकर हिंदुओं को समझने की ज़रूरत है कि अगर हम एक होकर मिलजूल कर रहेंगे तो हम सब हर मुसीबत से बचकर सुरक्षित रह सकते हैं। सभी जानते हैं कि संगठन में शक्ति होती है अतः हम सबको संगठन बनाकर एकजुट होकर रहना बेहद ज़रूरी है। आज की परिस्थितियों में जो एकजुट नहीं है उसके खँडित होने की संभावनाएँ ज्यादा हैं। यदि हम जातियों में बंट कर रहेंगे तो हम पर खतरा हमेशा बना रहेगा। अतः राष्ट्र में हमारी एकता से बढ़कर कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है। अगर इस राष्ट्र को बचाना है तो एकता बनाकर रखना बेहद ज़रूरी है। पाकिस्तान, बांग्लादेश या अफगानिस्तान में भी संभवतः हिंदू इतने एकजुट व आक्रामक नहीं थे, जिसकी आवश्यकता थी। शायद इसके पीछे 2014 से पहले भारत की अधिकांश सरकारों की नीति भी थी जो विदेशों में रहने वाले हिंदुओं को भारत से जोड़ने और उनके साथ जुड़ने में शर्म का अनुभव करती थीं। पंथनिरपेक्षका की गलत और संकुचित समझ के कारण जहां देश में हिंदुओं को जातियों में बांट कर एक दूसरे के खिलाफ लड़ाया गया, वहीं विदेशों में हिंदुओं की पीड़ा और उत्पीड़न पर सरकारें मौन रहीं। अब मोदी और योगी के बाद स्थिति पूरी तरह बदली है।

- मनमोहन राजावत, शाजापुर

## योगी आदित्यनाथ का आह्वान

## आदित्यनाथ का आह्वान

झोलाढाप डॉक्टरों द्वारा मरीजों का अवैध उपचार किए जाने के मामले बढ़ते जा रहे हैं जिससे मरीजों की जान को भी खतरा रहता है। यह डॉक्टर बिना किसी मेडिकल डिग्री या प्रमाणपत्र के गंभीर बीमारियों तक का इलाज कर रहे हैं। झोलाढाप डॉक्टरों के विरुद्ध मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा सख्त कार्रवाई के निर्देश के बावजूद इनकी गतिविधियां जारी हैं। इसका कारण यह है कि अधिकांश एमबीबीएस डॉक्टर गांवों में रहना पसंद नहीं करते और शहरों में महंगे डॉक्टर से इलाज करवाने की क्षमता ग्रामीण मरीजों में नहीं है। आयुष्मान कार्ड धारक भी

के लिए इन्हीं झोलाढाप डॉक्टरों पर निर्भर है। देश में बनी पहली गैर-कांग्रेस सरकार के स्वास्थ्यमंत्री स्वर्णीय राजनारायण ने गांव-गांव में शेषे प्रशिक्षण के बाद स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की आदर्श व्यवस्था की थी। चीन के बेयरफूट डाक्टर्स के पैटर्न वाली ऐसी व्यवस्था भारत में दूरदराज ग्रामीण लोगों के लिए लाभाद्यक हो सकती है। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, नर्सों, आशा बहनों व अन्य संवर्गों को भी छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज का समुचित प्रशिक्षण देने के साथ समय-समय पर अल्पकालीन कोर्सों से उनका उच्चीकरण किया जा सकता है।

पुरुषों के मुकाबले कामकाजी महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। त्रिमबल के बारे में सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कुछ मामलों में कामकाजी महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। अब कामकाजी महिलाओं की संख्या 49 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसी तरह वेतनभोगी पुरुषों की संख्या में कमी आई है। खासकर सेवा क्षेत्र में वेतनभोगी महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह 64.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है। हालांकि, महिलाओं की वेरोजगारी दर भी 8.5 से बढ़कर 9 प्रतिशत हो गई है। महिला के आर्थिक सशक्तीकरण के फैलनमें बेरोजगारी घटाना जरूरी है। भारत सरकार तथा राज्य सरकारों की लखपती दीदी ड्रोन दीदी जैसी अनेक नीतियों ग्रामीण व अर्धकुशल महिला का आर्थिक सशक्तीकरण और समाज को बदलने की नीति में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। महिलाओं आर्थिक सशक्तीकरण के साथ उनके प्रति पुरुषों की वचाली सोच में भी बदलाव लाना जरूरी है।

- दत्तप्रसाद शिरोडकर, मुमुक्षु

वीकरण किया जा सकता है।

महिला आर्थिक सशक्तीकरण

पुरुषों के मुकाबले कामकाजी महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। ब्रम्बल के बारे में सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कुछ मामलों में कामकाजी महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। अब कामकाजी महिलाओं की संख्या 49 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसी तरह वेतनभोगी पुरुषों की संख्या में कमी आई है। खासकर सेवा क्षेत्र में वेतनभोगी महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह 64.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है। हालांकि, महिलाओं की बेरोजगारी दर भी 8.5 से बढ़कर 9 प्रतिशत हो गई है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उनमें बेरोजगारी घटाना जरूरी है। भारत सरकार तथा राज्य सरकारों की लखपती दीदी व ड्रोन दीदी जैसी अनेक नीतियों से ग्रामीण व अर्धकुशल महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण देश और समाज को बदलने की दिशा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के साथ उनके प्रति पुरुषों की वर्चस्व वाली सोच में भी बदलाव लाना जरूरी है।

- दत्तप्रसाद शिरोडकर, मुंबई

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल











# मेजर ध्यानचंद की जयती अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

पायनियर संवादकाता ◀ धर्मती  
www.dailypioneer.com

जिला प्रशासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग धर्मती छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में जय मा विंध्यवासीनी व्यायाम शाला धर्मती के द्वारा भारत एवं विश्व के सर्ववर्षीय खिलाड़ी हाँकी के जातदूर मेजरअच्युत चंद जी की जयती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का

शुभारंभ प्राचार्य जमुना ध्व व शिक्षिका संघ्या सोम, उमा निषाद, विभुवन साहू के द्वारा किया गया। धर्मती जिला वेटलिंगिंग संघ की सचिव महिला कोच हस्मित कोर, सह सचिव रेशमा शेख, संघ के सदस्यगण हेमेंद्र बघेल, उमाशंकर साहू, लुमेश साहू, योगेश साहू, राहुल बैरकरु, बहुल्य सहस्यगण प्रदान किया। राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों, हर्षदीप सिंह सिद्ध,

हेमलाल साहू, खुशी फुटान, खुशबू फुटान, कुमकुम यादव, यामिनी यादव, अश्नी साहू, लवली साहू, दुर्गा साहू, लीना साहू, रितिक साहू, वह राज्य स्तर के खिलाड़ी, दीपाली फुटान, सुभिं फुटान, अधिषेक फुटान, वथार्थ फुटान, हेमचंद साहू, सोनम साहू, दीपेश साहू, शशि यादव महक निषाद के द्वारा डेमो करके दिखाया गया। पार्षद अवेश हाशमी के द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व के बताया गया। पार्षद अवेश हाशमी के द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया।

खिलाड़ियों का श्रीफल के द्वारा सम्मान करते हुए उनका हैसला बुलंद किया गया, साथ ही बालिका खिलाड़ियों के लिए व्यायाम शाला, खिलाड़ियों का सहयोग की धोषणा की गई। प्राचार्य, सचिव, सहस्यगण सहयोगकारियों के द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित किया गया। वह जीवंती है कि वर्तमान में धर्मती की धर्मालय जिले का वालों जिला के माध्यम से जो ईमारत की रोशनी रखती है वह नहीं जी रही है। साथ ही साथ धर्मतेर को इसी वर्ष में विदर्भ से स्कूली बच्चों को बताते हुए राष्ट्रीय कृषि मुद्रित दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया और बच्चों को कृषिनाशक द्वा खिलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। उड़ोंगे सभी जीनों को कार्यक्रम को सफल बनाए हेतु आहवान किया गया। जिला बोल अधिकारी अमृताश्री दिव्यंगी ने जालकरी देंगे हुए बताया कि जिसमें 3 लाख 37 हजार का लक्ष्य रखा गया है। जिसे शत प्रतिशत पूर्ण किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. रवि निषाद के द्वारा राष्ट्रीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खिलाड़ियों की रुपायी दिवस के लिए जीवंती जी रही है। अतः यह जीवंती जिले जी है तो बिहित रूप से देख प्रभावित गांव के साथ जिले में अलेक लोकप्रियकारी कार्यों को कराया जा सकता है। इसी के साथ दूरसंपर्क पर को दें दूरु करने हैं उन गांवों में जाने के लिए मोगागण बच्चों को मुख्यमानी में प्लूर विडो द्वारा 2 वर्षों से दूरा हुआ है। जो जीत तक नहीं बचा है जिसके कारण स्कूली बच्चे स्कूल नहीं जा पाते साथ में आवाहन पूरा बन रहता है।

## केंद्रीय राज्य मंत्री से मिले उमेश साहू

पायनियर संवादकाता ◀ जशपुरवर्ग  
www.dailypioneer.com

दिवायक रायमुनि भगत की उपस्थिति में राष्ट्रीय कृषि मुद्रित दिवस के अवसर पर विगत दिवस शासकीय अंग्रेजी मार्टिम विद्यालय पुरीशाला जशपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिवायक भगत ने राष्ट्रीय कृषि मुद्रित दिवस का कार्यक्रम के संबंध में विदर्भ से स्कूली बच्चों को बताते हुए राष्ट्रीय कृषि मुद्रित दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया और बच्चों को कृषिनाशक द्वा खिलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। उड़ोंगे सभी जीनों को कार्यक्रम को सफल बनाए हेतु आहवान किया गया। जिला बोल अधिकारी अमृताश्री दिव्यंगी ने जालकरी देंगे हुए बताया कि जिसमें 3 लाख 37 हजार का लक्ष्य रखा गया है। जिसे शत प्रतिशत पूर्ण किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. रवि निषाद के द्वारा राष्ट्रीय खिलाड़ियों की रुपायी दिवस के लिए जीवंती जी रही है। अतः यह जीवंती जिले जी है तो बिहित रूप से देख प्रभावित गांव के साथ जिले में अलेक लोकप्रियकारी कार्यों को कराया जा सकता है। इसी के साथ दूरसंपर्क पर को दें दूरु करने हैं उन गांवों में जाने के लिए मोगागण बच्चों को मुख्यमानी में प्लूर विडो द्वारा 2 वर्षों से दूरा हुआ है। जो जीत तक नहीं बचा है जिसके कारण स्कूली बच्चे स्कूल नहीं जा पाते साथ में आवाहन पूरा बन रहता है।

# विद्यायक रायमुनि ने बच्चों को कृषिनाशक द्वा खिलाकर की कार्यक्रम की शुरूआत



उमेश साहू भाजा गंगरेल मंडल अयक्ष के पूर्व संसद प्रतिनिधि ने बिलायपुर संसद व नेपाली राज्य मंत्री जीवंती आवास तोतेवाला साहू से सोनेवाल मुद्रित करने परियों पहुंचे जब तो उनका राज्य स्तर के लिए 52 गांव को दुर्बाल गया। जिस पर कार्यक्रम के माध्यम से जीवंती जी रही है। साथ ही राष्ट्रीय खिलाड़ियों को संबोधित किया गया। उमेश साहू भाजा गंगरेल मंडल अयक्ष के पूर्व संसद प्रतिनिधि ने बिलायपुर संसद व नेपाली राज्य मंत्री जीवंती आवास तोतेवाला साहू से सोनेवाल मुद्रित करने पर कार्यक्रम की शुरूआत की।

गोली पिसकर एवं 2 से 3 वर्ष के बच्चों को गोली पिसकर एवं 3 वर्ष से 5 वर्ष के बच्चों को गोली पिसकर एवं 3 वर्ष से 5 वर्ष के बच्चों को गोली पिसकर एवं 5 वर्ष से 19 वर्ष के बच्चों को गोली पिसकर एवं आत्माकारी कार्यक्रम के समन्वय से राष्ट्रीय कृषि मुद्रित दिवस 29 अगस्त 2024 एवं मौजूदापरं दिवस 04 सितम्बर 2024 को गोली पिसकर कारण स्कूल आपोजन कराया जाना सुनिश्चित है। कार्यक्रम अंतर्गत जिले के समस्त विद्यालयों की जीवंती जी रही है।

## डाईट जशपुर में कुट्टक एवं सादरी भाषा की पुस्तक लेखनकार्य की कार्यशाला आयोजित

पायनियर संवादकाता ◀ जशपुरगढ़र  
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत जिले के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जशपुर को कक्षा 01 से 05 तक की कुट्टक एवं सादरी भाषा की पुस्तक लिखने की जिम्मेदारी दी गई है। जो की बहुभाषा शिक्षा के अंतर्गत आता है। जिसमें 29 एवं 30 अगस्त तक दूर्योग कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें लिखने के 25 शिक्षक व्यायामाता एवं सेवनविवृत शिक्षक अपनी सहभागिता दी। कुट्टक एवं सादरी भाषा की प्रारंभिक जानकारी के साथ कहानियों का लेखन कार्य लिखना जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें लिखने के 29 एवं 30 अगस्त तक दूर्योग कार्यशाला आयोजित की गई।

इस दैरोंग डाईट के प्राचार्य विद्यालय एवं सेवनविवृत शिक्षक अपनी सहभागिता दी। कुट्टक एवं सादरी भाषा की प्रारंभिक जानकारी के साथ कहानियों का लेखन कार्य किया गया। जिसमें लिखने के 29 एवं 30 अगस्त तक दूर्योग कार्यशाला आयोजित की गई।

इस दैरोंग डाईट के प्राचार्य विद्यालय एवं सेवनविवृत शिक्षक अपनी सहभागिता दी। कुट्टक एवं सादरी भाषा की प्रारंभिक जानकारी के साथ कहानियों का लेखन कार्य किया गया। जिसमें लिखने के 29 एवं 30 अगस्त तक दूर्योग कार्यशाला आयोजित की गई।

## कार्यकर्ता भाजपा की ताकत, सदस्यता अभियान को गंभीरता से लें : कृष्ण राय

पायनियर संवादकाता ◀ जशपुरगढ़र  
www.dailypioneer.com

भारीत जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का पार्टी से दिल से जुड़व होता है। यहीं कारण है कि 2018 के विधायक अधिकारी चुनाव में जब जनता पार्टी को जिले के तीनों विधायक अधिकारी संसदी में हार मिली थी तो दिली से लेकर जशपुर तक सभी को बहुत तकलीफ हुई थी। कार्यकर्ताओं को यह बात कोचेटी थी कि आखिर हाँ जशपुर, जो कुमार विलिप निसें जुदे बाले की कार्यक्रमी है, उसमें जो एक पार्टी को देखने को बहुत तकलीफ हुई थी।

पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए कार्यकर्ताओं को जीवंती जी रही है। अपनी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और 3 सिंतंबर को मुख्यमंत्री कृष्ण कुमार राय ने उन्हें बताया कि आखिर कौन से ताकत दिखाई थी। इस बार ऐसी ही में प्रधानमंत्री को देखना चाहिए।

भाजपा की जीवंती जी रही है।

मण्डल स्तरीय सदस्यता अभियान की कार्यशाला में शामिल पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने में हार मिल गयी।

महाभियन शुरू हो जाएगा। उड़ोंगे कार्यकर्ताओं को विश्वास देने में अपील किया

जानकारी की जीवंती जी रही है।

निकाय और विभिन्न प्रत्यक्षीय कार्यकर्ताओं को देखना चाहिए।

उड़ोंगे कार्यकर्ताओं को विश्वास देने में अपील किया जाएगा।

उड़ोंगे कार्यकर्ताओं को जीवंती जी रही है।

निकाय और विभिन्न प्रत्यक्षीय कार्यकर्ताओं को देखना चाहिए।

उड़ोंगे कार्यकर्ताओं को जीवंती जी रही है।

